



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

CL  
11/8/85

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 1, 1985/माघ 12, 1906  
No. 42] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 1, 1985/MAGHA 12, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग सकलन क रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1985

सा. का. नि. 60(अ).—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3, उपधारा (1) और (6) के साथ पठित धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मूरगांव पत्तन के न्यासी मंडल में गोवा मिनरल और एक्सपोर्ट से एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्री ए. डालनेग्रो को श्री ए. बरवांनी के स्थान पर न्यासी नियुक्त करती है और भारत सरकार, नौवहन और

परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 243(अ) दिनांक 30 मार्च, 1984 के निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 13 के आगे “श्री ए. बरबोनी” के स्थान पर “श्री ए. डालनेग्रो” रहेंगे।

[सं.-पीडब्ल्यू/पीटीबी-28/83]

पी. वी. राव, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st February, 1985

GSR 60(E).—In exercise of the powers conferred by section 10, read with sub-sections (1) and (6) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri A. Dalnegro, a Trustee on the Board of Trustees of the Port of Mormugao to represent the Goa Mineral Ore Exporters' Association vice Shri A. Barboni, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. GSR 243(E), dated 30th March, 1984, namely :—

In the said notification, in the entry against Serial Number 13, for the words and letters “Shri A. Barboni” the words and letters “Shri A. Dalnegro” shall be substituted.

[F. No. PW/PTB-28/83]

P. V. RAO, Jt. Secy.